

खाट-बिछाकर दिव्यांगजनों का प्रदर्शन

□ अधिकारियों का रास्ता रोका, डीएम से मिलने के आशासन पर खुल सका रास्ता



प्रदर्शन करते दिव्यांगजन।

कानपुर, 12 फरवरी। आसमा अधिकारियों के आने-जाने से रोक दिया। जिसके बाद कई थांओं का फोर्स पहुंचा। डीएम के मिलने के आशासन पर दिव्यांगों ने गेट से आने जाने वाले को रास्ता दिया। राष्ट्रीय विकासगांव पार्टी

के राष्ट्रीय अध्यक्ष बींदू कुमार ने कहा आवास योजना में दिव्यांगजनों का आवास खेल करना विधायिका व संविधान में सभी को अपमान है। जब संविधान में सभी को अलग अलग असरण दिया गया है, तो कोई प्रशासनिक अधिकारी उसके विपरित काम कैसे कर सकते हैं। प्रश्नन तकरीबन अधीक्षे घंटे चला रहा, डीएम को जब जानकारी मिली तो उन्होंने दिव्यांग जनों से मिलने का आशासन दिया। इसके बाद कच्छरी के ओर कलेक्टर के गेटों के दिव्यांगजनों ने आने-जाने वाले के लिए रास्ता दे दिया। बींदू कुमार का कहना है कि अभी भी सेक्कड़ा कालोनियां हैं। उनमें दिव्यांग जनों को आशासन दिया जाए वहना यह प्रदर्शन प्रदर्शन व्यापी और देशव्यापी बनाना। इस मेंके पर जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, अल्पना कुमारी, अशक्त कुमार, अरविंद सिंह, कमरेश कुमार, सिंह, वीभव दीक्षित, गौतम कुमार, गुह्या दीक्षित, अनुज कुमार, अब्दुल रुफक, आशिष कुमार, महेश चन्द्र साहू, दिलिप कुमार लेकर पहुंच गए और सभी गेटों से



ज्ञापन देते एसोसिएशन के पदाधिकारी।

गुड फ्राइडे समेत अन्य पर्वों को लेकर पुलिस आयुक्त को ज्ञापन

कानपुर, 12 फरवरी। पास्टर्स एसोसिएशन डीप्र एवं यूटीलिटेड क्रिकेटियन कमेटी ऑफ कानपुर ने सोमवार को पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सोचा है। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि 14 फरवरी से गुड फ्राइडे 40 दिन तक यानि 29 मार्च चलेगा। इसमें उपवास में प्रतिदिन चर्चे के सदस्यों व उनके घरों में प्रार्थना इन प्रार्थना सभाओं में कूछ असामाजिक तत्वों के द्वारा विवादों की व्यापारी व्यापक व्यापारी सभाओं को रोका जाता है। विषय कुछ वर्षों में गया है एवं कई छोटे आरोग्य भी लगाकर प्रार्थना प्रार्थना सभाओं को रोका जाता है। 40 दिनों के उपवास को क्रिकेटियन समाज के लोग एक पवित्र माह के रूप में मनाते हैं और शांति के साथ सभी लोगों के लिए प्रथमता करते हैं। साथ ही 31 मार्च का अवसर पर्व का आयोजन प्रत्येक चर्चा में होता है एवं यूनाइटेड रॉन सर्विस को भी आयोजन करता है। ज्ञापन में पार्दी जिलेट, पार्दीबो सिंह, पार्दीबो अनिल गिल्बर्ट, पार्दी आदित्री श्रीवास्तव, पीपक कुमार, मनोज जोसेफ, पप्पू यादव, प्रदीप राव, पार्दी माननालाल, किशनलाल समेत आदि उमस्थित हैं।

सभी आसमानी किताबों में अल्लाह के नबी का जिक्र : डॉ. हलीमुल्लाह

□ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य ने कहा चुनावी स्टंट कर रही सरकार

कानपुर, 12 फरवरी। जमीत उरेमा की ओर से सोमवार को पेरेंट रजबी रेड ग्राउंड में प्रदेश अध्यक्ष डॉ हलीमुल्लाह खां की अध्यक्षता में मेराजुबी स.अ.व के अवसर पर तीन दिवसीय जारी करना आयोजन किया गया। इस दौरान उत्तर देवदत्त से आये मुफ्ती मुस्लिम राशिद आजमी ने कहा कि अल्लाह ने तौरेत, जबूए इंजल, कुरान समेत सभी आसमानी किताबों में आप हुजूर स.अ.व की

सुधीर कुमार मानवाधिकार आयोग के अधिवक्ता बने



कानपुर, 12 फरवरी। बीर इंटर अधिवक्ता ता सुधीर कुमार द्विवेदी को उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष के आदेश पर आयोग के पैनल में अधिवक्ता नियुक्त किया गया है। मानवाधिकार के अनु सचिव मोहन लाल ने पत जारी कर जानकारी दी है। जिसके अधिकार नियुक्त किया गया है। मानवाधिकार के अनु सचिव मोहन लाल ने पत जारी कर जानकारी दी है। जिसके अधिकार नियुक्त किया गया है।

देशव्यापी हड्डताल के लिए श्रमिक नेताओं ने जुटाया जनसमर्थन

कानपुर, 12 फरवरी। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के श्रमिक नेताओं ने 16 फरवरी को होने वाली देशव्यापी हड्डताल के समर्थन में सोमवार को थस्यांग चौहान पक्षी में जस्तम्पक अधियान

के नियमों में भी बदलाव हो जाएगे। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मानवाधिकार सुनेमान ने कहा है कि यह कानून एक तरह से मुस्लिम एकत्र को हिदू एवं ब्रह्म की तरह से बनाने की महत्व इंसाम एंड इंडिया ने जानकारी दी रखी है। इससे इसलामी सर्वानुवान तो ताजी बदलाव हो सकता है। कार्यकारी का संचालन मुजाफिद हड्डताल हड्डीबीं ने किया। शुभराम्य कारी मुजाफिद इंजल, कुरान समेत सभी आसमानी किताबों में आप हुजूर स.अ.व की

तारीफ बयान की है। इन किताबों में नवी के साथ सहाबा-न-करिम रीजन की भी बदलाव हो जाएगा।

इसलामी सरिया कानून के हिसाब से सहाबी नहीं होंगे। सरकार ध्रस्वीकरण करके चुनावी फ याद ने लिए लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया गया।

यूनिफॉर्म सिविल कोड याद ने जाए जाने के बाद जी जा रहा है। उन नियमों के लिए चुनाव जी गोवा और उत्तराखण्ड में अन्याः अलग दिखाई दिए हैं। जबकि यूनिफॉर्म सिविल कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है, एक समाज कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है। इसलिए यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सभी लोकसभा चुनाव से पहले

जनसमस्याओं को लेकर शंकर सेना का प्रतिनिधि मण्डल डीएम से मिला

कानपुर, 12 फरवरी। जनसमस्याओं को लेकर शंकर सेना का प्रतिनिधि मण्डल डीएम से मिला। जिलाधिकारी को ज्ञापन देते शंकर सेना के लोग।

कानपुर को केवल मुसलमानों को टारांट कर चुनाव में ध्रुवीकरण करने वालों ने भी याद लेना है। उन नियमों के लिए लोकसभा चुनाव को लेकर लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया गया। जिलाधिकारी को नीति और नियमित में फर्क है। इसलिए यूनिफॉर्म सिविल कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सभी लोकसभा चुनाव से पहले

कानून को केवल मुसलमानों को टारांट कर चुनाव में ध्रुवीकरण करने वालों ने भी याद लेना है। उन नियमों के लिए लोकसभा चुनाव की नीति और नियमित में फर्क है। इसलिए यूनिफॉर्म सिविल कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सभी लोकसभा चुनाव से पहले

कानपुर को केवल मुसलमानों को टारांट कर चुनाव में ध्रुवीकरण करने वालों ने भी याद लेना है। उन नियमों के लिए लोकसभा चुनाव की नीति और नियमित में फर्क है। इसलिए यूनिफॉर्म सिविल कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सभी लोकसभा चुनाव से पहले

कानपुर को केवल मुसलमानों को टारांट कर चुनाव में ध्रुवीकरण करने वालों ने भी याद लेना है। उन नियमों के लिए लोकसभा चुनाव की नीति और नियमित में फर्क है। इसलिए यूनिफॉर्म सिविल कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सभी लोकसभा चुनाव से पहले

कानपुर को केवल मुसलमानों को टारांट कर चुनाव में ध्रुवीकरण करने वालों ने भी याद लेना है। उन नियमों के लिए लोकसभा चुनाव की नीति और नियमित में फर्क है। इसलिए यूनिफॉर्म सिविल कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सभी लोकसभा चुनाव से पहले

कानपुर को केवल मुसलमानों को टारांट कर चुनाव में ध्रुवीकरण करने वालों ने भी याद लेना है। उन नियमों के लिए लोकसभा चुनाव की नीति और नियमित में फर्क है। इसलिए यूनिफॉर्म सिविल कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सभी लोकसभा चुनाव से पहले

कानपुर को केवल मुसलमानों को टारांट कर चुनाव में ध्रुवीकरण करने वालों ने भी याद लेना है। उन नियमों के लिए लोकसभा चुनाव की नीति और नियमित में फर्क है। इसलिए यूनिफॉर्म सिविल कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सभी लोकसभा चुनाव से पहले

कानपुर को केवल मुसलमानों को टारांट कर चुनाव में ध्रुवीकरण करने वालों ने भी याद लेना है। उन नियमों के लिए लोकसभा चुनाव की नीति और नियमित में फर्क है। इसलिए यूनिफॉर्म सिविल कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सभी लोकसभा चुनाव से पहले

कानपुर को केवल मुसलमानों को टारांट कर चुनाव में ध्रुवीकरण करने वालों ने भी याद लेना है। उन नियमों के लिए लोकसभा चुनाव की नीति और नियमित में फर्क है। इसलिए यूनिफॉर्म सिविल कोड एक समाज लागू नहीं हो सकता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सभी लोकसभा चुनाव से पहले

कानपुर को केवल मुसलमानों को टारांट कर चुनाव में ध्रुवीकरण करने वालों ने भी याद लेना है। उन नियमों के लिए लोकसभा चुनाव की